

---

Shri Gajanana Aratrika

——  
श्रीगजाननारात्रिका

——  
Document Information



---

Text title : Shri Gajanana Aratrika

File name : gajAnanAratrika.itx

Category : ganesha, shrIdharasvAmI, AratI

Location : doc\_ganesha

Author : Shridharasvami

Proofread by : Manish Gavkar

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnamAlIkA

Latest update : February 11, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 12, 2023

*sanskritdocuments.org*



श्रीगजाननारात्रिका

(गेयम्)

जय देव जय देव जयगजमुखदेव ।  
सच्चित्सुखघनरूप सर्वानन्दकर ॥ ध्रुवपदम् ॥

ओङ्कारैकस्वरूप परब्रह्माकार  
सर्वाभयवररूप नित्यं मोक्षकर ।  
सर्वाभयवरनुतमार्चनसंस्कृतपदयुगल  
सर्वाग्रणिविधिहरिहरसर्वाभयरूप ॥ १ ॥

तिमिराज्ञाननिवारकदिनमणिमतिशुद्ध  
भवभयहरचिद्रत्नं सकलाभीष्टकर ।  
दैवीसम्पत्पूरितनिजसुखकरचन्द्र  
आत्मज्ञानविरक्तिश्रेयस्सिद्धिकर ॥ २ ॥

ॐ गं गणपतयेनघमनुविग्रहदेव  
सकलपापविनाशकमङ्गलमतिपूत ।  
दोषघ्न पापघ्न शापघ्न विभव  
विघ्नाम्बुधिशोषणकरमद्भुतमुखकमल ॥ ३ ॥


स्वानन्दामृतलोक वैदिकधर्मगुरो  
श्रुतिपावितसञ्चरितप्रदमतिहितवन् ।  
धर्मोद्धारधुरीण धरणीभाग्यकर  
अविरततत्त्वमसीति बोधनपटुदेव ॥ ४ ॥

सुमुखविनायकनाम्ना कृतयुगपरिपाल  
गणेश इति नाम्ना तु त्रेतापरिपाल ।  
गजमुखनाम्नाप्येवं द्वापरपरिपाल  
कलिकामादिनिवारणब्रह्मानन्दकर ॥ ५ ॥


इति श्रीमत् परमहंसपरिव्राजकाचार्य सद्गुरु भगवान्  
श्रीधरस्वामीमहाराजविरचिता श्रीगजाननारात्रिका सम्पूर्णा ।  
श्रीक्षेत्रवरदपुरं, गणेशचतुर्थी

Proofread by Manish Gavkar

---

——  
*Shri Gajanana Aratrika*

pdf was typeset on February 12, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

